हिन्दुस्तान - दि० 16|02|23

Size Image

रोगियों ने आयुर्वेद, यूनानी वं होमियोपैथ विधा से इलाज का लाभ लिया

आयुष विवि ओपीडी में दूसरे दिन 112 को मिला इलाज

भटहट, हिन्दुस्तान संवाद। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के ओपीडी के उद्घाटन के बाद दूसरे दिन गुरुवार को नीलेश रस्तोगी ने 112 रोगियों का पंजीकरण किया। रोगियों ने आयुर्वेद, यूनानी वं होमियोपैथ विधा से इलाज का लाभ लिया। इलाज की सुविधा मिलने से लोग काफी खुश नजर आ रहे हैं।

क्षेत्र के सिंहोरवां से आयुष विवि में इलाज कराने पहुंची महिला शिल्पी बताती है कि वह आयुर्वेद के डाक्टर से इलाज कराई है। पिपरी के टोला पिपरहवां गांव की गीता का कहना है कि उसके गांव के बगल में यह अस्पताल खुला है। अब इलाज के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा। आयुर्वेद विधा की दवाएं शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। इसी प्रकार इलाज कराने पहुंचे मीरापुर से ननकी देवी, शहर से पहुंचे अवधेश तिवारी आदि ने बताया कि चिकित्सकों के परामर्श के बाद उन्हें आयुर्वेद की तीन दिन की दवाएं ही मिल रही है। रोगियों ने बताया कि पर्ची से लगायत चिकित्सकों से परामर्श वं सभी दवाएं निःशुल्क मिल रही है। आयुष विवि के निर्माण कार्य में मजदूरी करने वाली महिला शांति देवी पर्चा लेकर ओपीडी संख्या छह में पहुंची, जहां होमियोपैथ के चिकित्सक डाक्टर अनूप कुमार श्रीवास्तव को हाथ में कंधे से लेकर दर्द बताई। चिकित्सक ने दवाएं लिख दी। चिकित्सक ने बताया कि अभी होमियोपैथ व यूनानी विधा के फार्मासिस्ट की तैनाती नहीं हो सकी है, ऐसे में दवाएं देने में थोड़ी दिक्कतें हो रही है।

आयुष विवि में इलाज के लिए पंजीकरण कराते रोगी।

67